क्रम

पण्डित हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ११
चारुचन्द्र के अलिखित आखर

उपेन्द्र नाथ अश्क २६
नुक्ताचीं है ग़मे-दिल

त्रिभुवन सिंह ३६
आषाढ़स्य प्रथम दिवसे

काशीनाथ सिंह ५२
नादान दोस्तों से घिरा काशी

हरिवंश राय बच्चन ६६
मेरे पुरखों ने इतनी ढाली हाला

राही मासूम रज़ा ७६
'मैं समय हूँ' बनाम गंगौली का 'राही'

राम दरश मिश्र ८७
वहाँ मैं भी पहुँचा, मगर धीरे-धीरे

शिव प्रसाद सिंह ९६
उनका जाना और मेरा जाते-जाते रह जाना

विनय कुमार ११२
बिन माँगे जिन दीन्ह अपार

नामवर सिंह १२४
बन्दऊँ गुरुपद पदुम परागा

पण्डित सुधाकर पाण्डेय १३६
विप्रतापस

कैफ़ी आज़मी १४७
अब तो तकदीर में ख़तरा भी नहीं

केशरी कुमार १५४
छोटी-छोटी यादों के बड़े-बड़े झरोखे